बिहार सरकार

Catch-Up Course

वैकल्पिक अकादमिक कैलेंडर

सेतु सामग्री

कक्षा– **6 से 8**

विषय– **कला आधारित अधिगम**

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

सुझावात्मक कला गतिविधियाँ
सेतु–सामग्री
कक्षा– 6 से 8

1. मुकुट

एक ए4 कागज लेंगे। कागज को लम्बवत करते हुए बीचो–बीच आधा मोड़ेंगे। मोड़ने के बाद खुले हुए भाग की तरफ से कैंची के द्वारा विभिन्न आकृत्ति में नीचे से जिग–जैग की स्थिति काटते हुए ऊपर की ओर तिकोना ले जाएंगे। इस प्रकार विभिन्न आकृत्ति में आपका मुकुट तैयार हो जाएगा। इसे अपनी मर्जी के अनुसार सजाया जा सकता है।

सामग्रीः
1. ए4 कागज

2. मुखौटा

किसी जानवर या आदमी के चेहरा के अनुसार एक लम्बवत या क्षैतिज कागज लेंगे। इसके बाद उस कागज को बीचो–बीच आधा मोड़ेंगे। मोड़ने के बाद कागज के बंद सिरे के तरफ से सबसे नीचे से किसी जानवर या आदमी की आकृत्ति देते हुए चेहरा काटेंगे। इस प्रकार किसी भी जानवर या आदमी का मुखौटा बना सकते हैं। अब चेहरे की विभिन्न आकृत्तियों को सुविधानुसार रंग या रंगीन कागज से बना सकते हैं।

सामग्रीः
1. ए4 कागज

3. जादुई पंखा

यह एक बहुत ही मजेदार खेल है। जादुई पंखा बनाने के लिए एक 25 सेमी. लम्बा सरकण्डा या एक पुराना स्केच पेन लेंगे। एक धारदार चाकू से उसमें खाँचा बनाएंगे। इसके बाद आइसक्रीम की चौड़ी पट्टी वाली डण्डी के छोटे टुकड़े से एक पंखा बनाएंगे। एक पिन या कील को पंखे के छेद में से पिरोकर उसे सरकण्डे में धँसा देंगे। इस बात का ध्यान रखना है कि पिन पंखे के छेद में थोड़ी ढीली हो। अब सरकण्डे का पिछला सिरा बाएँ हाथ से पकड़ेंगे और दाएँ हाथ में आइसक्रीम की बड़ी डण्डी को पकड़कर खाँचों पर आगे–पीछे रगड़ेंगे। पंखा एक दिशा में घूमने लगेगा। इस प्रकार अपने अंगूठे या अंगुलियों के दबाव को बदलकर पंखे के घूमने की दिशा बदल सकते हैं।

सामग्रीः

1. सरकण्डा या स्केच पेन
2. आइसक्रीम की चौड़ी पट्टी
3. चाकू
4. पिन या कील

4. मार्बल पेंटिंग :

इस तरह की पेंटिंग के लिए सामान्य एनामेल पेंट का प्रयोग किया जाता है जो घर की खिड़की–दरवाजों के पेंटिंग के काम में आता है। पेट्रोलियम ऑयल से बने होने के कारण यह पानी में डालने पर घुलता नहीं है बल्कि उसके सतह पर तैरने लगता है। इसको बनाने के लिए टब में पानी लेकर पेंट डाल देते हैं जिससे टब में पेंट तैरने लगता है। उस पेंट को किसी लम्बी लकड़ी से टब के चारों ओर फैला देते हैं। चाहे संभव हो तो कुछ मनचाही आकृत्तियाँ भी बना सकते हैं। अब पानी की सतह पर ए4 सादा कागज डालने पर कागज में पेंट सट जाता है, जिससे देखने में विभिन्न आकर्षक आकृत्तियाँ बनती हैं।

सामग्रीः

1. टब
2. पानी
3. एनामेल पेंट
4. ए4 कागज

5. ब्लॉक पेंटिंग :

इसे सामान्य भाषा में छपाई कह सकते हैं। ब्लॉक के रुप में प्रयोग के लिए एक तरफ जहाँ अपने पंजे/अंगुलियाँ प्रयोग की जा सकती हैं वहीं बच्चों को घर से विभिन्न सब्जियों/फलों के बेकार हिस्से माँगे जा सकते हैं। फूल गोभी, प्याज, भिंडी, बंदगोभी और टमाटर के प्राकृतिक डिजाईन अथवा आलू, सलजम, मूली एवं शकरकन्द को मनचाहे डिजाईन में काटकर और उनपर रंग लगाकर छपाई की जा सकती है। इससे शिक्षक की देखरेख दीवारों/श्यामपट्ट/चित्रों/कागजों के किनारों को भी आसानी और आकर्षक रुप से सजाया जा सकता है।

सामग्रीः

1. फलों एवं सब्जियों के बेकार टुकड़े
2. रंग
3. ए4 कागज

नाम	विद्यालय/संस्थान का नाम
राकेश	प्राथमिक विद्यालय बड़की बलिहारी, बिक्रम, पटना

अकादमिक सहयोग– राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार के संकाय सदस्य

- डा0 किरण शरण, सयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान
- डा0 रशिम प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डा0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी शिक्षण शास्त्र, पाठ्य चर्या एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डा0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डा0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डा0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 अर्चना, विभाग, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभारानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभारानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना